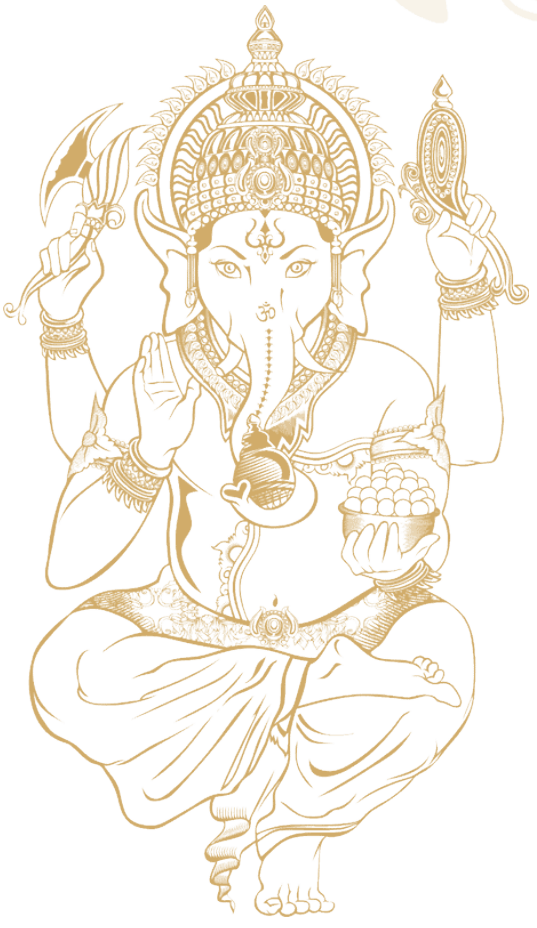

Vishal

Jaya

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121832002

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
16/04/1994	जन्म तिथि	30-31/07/1996
शनिवार	दिन	मंगल-बुधवार
घंटे 06:56:00	जन्म समय	00:05:00 घंटे
घटी 02:22:38	जन्म समय(घटी)	45:47:31 घटी
India	देश	India
Alwar	स्थान	Ahmedabad
27:32:00 उत्तर	अक्षांश	23:03:00 उत्तर
76:35:00 पूर्व	रेखांश	72:40:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:23:40	स्थानिक संस्कार	-00:39:20 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:58:56	सूर्योदय	06:09:17
18:48:07	सूर्यास्त	19:21:48
23:46:52	चित्रपक्षीय अयनांश	23:48:38

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
मंगल 5वर्ष 1मा 3दि	19:09:40	मेष	लग्न	मेष	14:56:32	चन्द्र 3वर्ष 4मा 17दि
गुरु	02:03:28	मेष	सूर्य	कर्क	14:02:31	गुरु
20/05/2017	26:57:52	वृष	चंद्र	मक	18:49:32	17/12/2024
20/05/2033	07:14:09	मीन	मंगल	मिथु	09:32:58	17/12/2040
गुरु 08/07/2019	17:18:27	मीन	बुध	सिंह	03:04:01	गुरु 04/02/2027
शनि 18/01/2022	17:47:12	तुला व	गुरु व	धनु	15:50:19	शनि 17/08/2029
बुध 25/04/2024	23:44:44	मेष	शुक्र	मिथु	00:14:50	बुध 23/11/2031
केतु 01/04/2025	15:05:00	कुंभ	शनि व	मीन	13:28:14	केतु 29/10/2032
शुक्र 01/12/2027	00:12:11	वृश्चि	राहु व	कन्या	16:08:12	शुक्र 30/06/2035
सूर्य 18/09/2028	00:12:11	वृष	केतु व	मीन	16:08:12	सूर्य 17/04/2036
चन्द्र 18/01/2030	02:28:14	मक	हर्ष व	मक	08:34:35	चन्द्र 17/08/2037
मंगल 25/12/2030	29:32:42	धनु	नेप व	मक	02:13:54	मंगल 24/07/2038
राहु 20/05/2033	03:44:13	वृश्चि व	प्लूटो व	वृश्चि	06:33:19	राहु 17/12/2040

लग्न-चलित

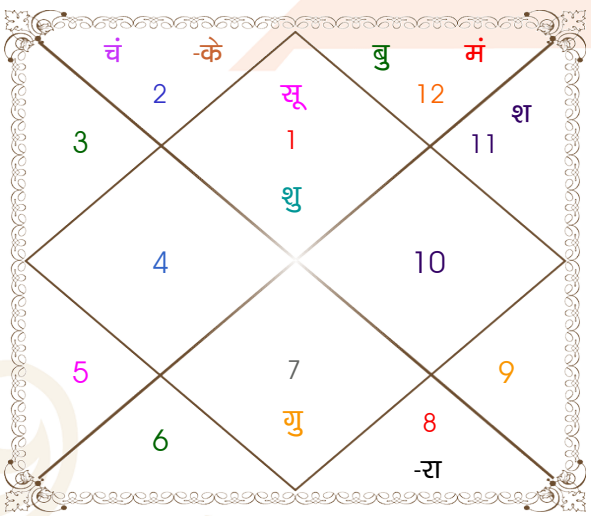

लग्न-चलित

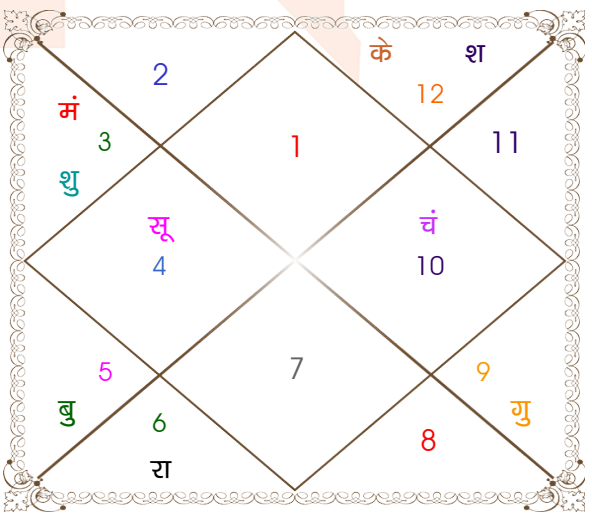

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	वैश्य	वैश्य	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	चतुष्पाद	जलचर	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	सम्पत	अतिमित्र	3	3.00	--	भाग्य
योनि	सर्प	वानर	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	शुक्र	शनि	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	देव	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	वृष	मकर	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	अन्त्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	26.00		

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

Vishal का वर्ग मृग है तथा Jaya का वर्ग मार्जार है। इन दोनों वर्गों में परस्पर मित्रता है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Vishal और Jaya का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

Vishal मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

Jaya मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है।

यामित्रे च यदा सौरि लग्ने वा हिबुकेऽथवा।
अष्टमे द्वादशे वापि भौमदोषविनाशकृत्।।

शनि यदि एक की कुंडली में 1,4,7,8,12 वें भावों में हो और दूसरे के मंगल इन्हीं भावों में हों तो मंगल दौष नहीं लगता।

क्योंकि शनि Jaya कि कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु Jaya कि कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Vishal तथा Jaya में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।